



Keshav

29 Dec 1976

02:50 AM

Unnao

Model: web-freekundliweb

Order No: 121024206

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 28-29/12/1976  
दिन \_\_\_\_\_: मंगल-बुधवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 02:50:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 49:47:02 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Unnao  
राज्य \_\_\_\_\_: Uttar Pradesh  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 26:32:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 80:30:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:08:00 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 02:42:00 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:01:36 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 09:11:51 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:55:11 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 17:24:08 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 10:28:58 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: शिशिर  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 13:45:17 धनु  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 18:52:42 तुला

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: तुला - शुक्र  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: मीन - गुरु  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: रेवती - 1  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: बुध  
योग \_\_\_\_\_: परिघ  
करण \_\_\_\_\_: बालव  
गण \_\_\_\_\_: देव  
योनि \_\_\_\_\_: गज  
नाड़ी \_\_\_\_\_: अन्त्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: विप्र  
वश्य \_\_\_\_\_: जलचर  
वर्ग \_\_\_\_\_: सर्प  
युँजा \_\_\_\_\_: पूर्व  
हंसक \_\_\_\_\_: जल  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: दे-देवांशु  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: स्वर्ण - स्वर्ण  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मकर

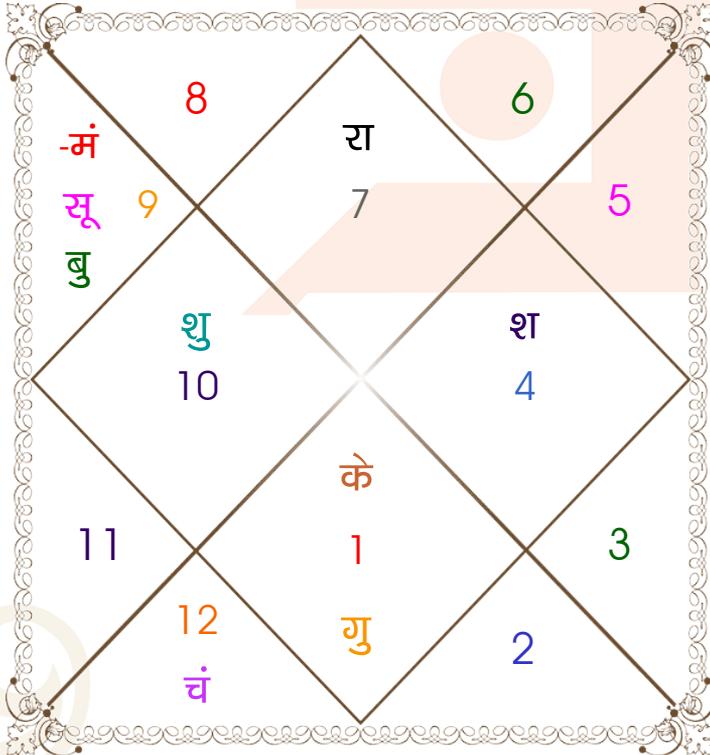
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	18:52:42	312:41:22	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	चंद्र	---
सूर्य			धनु	13:45:17	01:01:09	पूर्वाषाढा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	मित्र राशि
चंद्र			मीन	19:57:37	11:57:44	रेवती	1	27	गुरु	बुध	शुक्र	सम राशि
मंगल		अ	धनु	04:07:09	00:44:42	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	मित्र राशि
बुध		व	धनु	29:44:14	00:07:57	उत्तराषाढा	1	21	गुरु	सूर्य	राहु	सम राशि
गुरु		व	मेष	28:09:50	00:03:34	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	चंद्र	मित्र राशि
शुक्र			मक	28:57:05	01:08:22	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	मित्र राशि
शनि		व	कर्क	22:27:58	00:03:15	आश्लेषा	2	9	चंद्र	बुध	चंद्र	शत्रु राशि
राहु			तुला	07:38:59	00:00:34	स्वाति	1	15	शुक्र	राहु	राहु	मित्र राशि
केतु			मेष	07:38:59	00:00:34	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	मित्र राशि
हर्ष			तुला	17:13:16	00:02:28	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
नेप			वृश्चि	21:00:18	00:02:07	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	शुक्र	---
प्लूटो			कन्या	20:33:09	00:00:39	हस्त	4	13	बुध	चंद्र	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	21:57:55	--	आश्लेषा	--	9	चंद्र	बुध	सूर्य	--

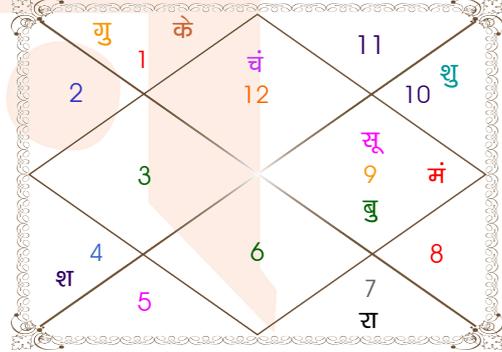
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:32:17

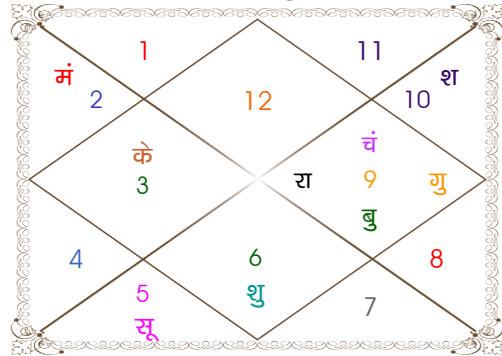
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



## विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : बुध 12 वर्ष 9 मास 18 दिन

बुध 17 वर्ष	केतु 7 वर्ष	शुक्र 20 वर्ष	सूर्य 6 वर्ष	चंद्र 10 वर्ष
29/12/1976	17/10/1989	17/10/1996	17/10/2016	17/10/2022
17/10/1989	17/10/1996	17/10/2016	17/10/2022	17/10/2032
00/00/0000	केतु 15/03/1990	शुक्र 16/02/2000	सूर्य 03/02/2017	चंद्र 18/08/2023
29/12/1976	शुक्र 15/05/1991	सूर्य 16/02/2001	चंद्र 05/08/2017	मंगल 18/03/2024
शुक्र 11/01/1979	सूर्य 20/09/1991	चंद्र 17/10/2002	मंगल 11/12/2017	राहु 17/09/2025
सूर्य 17/11/1979	चंद्र 20/04/1992	मंगल 17/12/2003	राहु 05/11/2018	गुरु 17/01/2027
चंद्र 17/04/1981	मंगल 16/09/1992	राहु 17/12/2006	गुरु 24/08/2019	शनि 17/08/2028
मंगल 15/04/1982	राहु 05/10/1993	गुरु 17/08/2009	शनि 05/08/2020	बुध 16/01/2030
राहु 01/11/1984	गुरु 11/09/1994	शनि 17/10/2012	बुध 11/06/2021	केतु 17/08/2030
गुरु 07/02/1987	शनि 21/10/1995	बुध 18/08/2015	केतु 17/10/2021	शुक्र 17/04/2032
शनि 17/10/1989	बुध 17/10/1996	केतु 17/10/2016	शुक्र 17/10/2022	सूर्य 17/10/2032

मंगल 7 वर्ष	राहु 18 वर्ष	गुरु 16 वर्ष	शनि 19 वर्ष	बुध 17 वर्ष
17/10/2032	18/10/2039	17/10/2057	17/10/2073	17/10/2092
18/10/2039	17/10/2057	17/10/2073	17/10/2092	00/00/0000
मंगल 15/03/2033	राहु 30/06/2042	गुरु 05/12/2059	शनि 20/10/2076	बुध 15/03/2095
राहु 02/04/2034	गुरु 22/11/2044	शनि 18/06/2062	बुध 30/06/2079	केतु 12/03/2096
गुरु 09/03/2035	शनि 29/09/2047	बुध 22/09/2064	केतु 08/08/2080	शुक्र 29/12/2096
शनि 17/04/2036	बुध 18/04/2050	केतु 29/08/2065	शुक्र 08/10/2083	00/00/0000
बुध 14/04/2037	केतु 06/05/2051	शुक्र 29/04/2068	सूर्य 19/09/2084	00/00/0000
केतु 11/09/2037	शुक्र 06/05/2054	सूर्य 16/02/2069	चंद्र 21/04/2086	00/00/0000
शुक्र 11/11/2038	सूर्य 31/03/2055	चंद्र 18/06/2070	मंगल 31/05/2087	00/00/0000
सूर्य 18/03/2039	चंद्र 29/09/2056	मंगल 24/05/2071	राहु 06/04/2090	00/00/0000
चंद्र 18/10/2039	मंगल 17/10/2057	राहु 17/10/2073	गुरु 17/10/2092	00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल बुध 12 वर्ष 9 मा 27 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

## लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। तुलालग्नोदय काल मेदिनीय क्षितिज पर मीन नवमांश के साथ-साथ कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म लग्नोदयादिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप गपशप करने वाले होंगे। आपका जीवन आकर्षक परंतु आप दूसरों के साथ इर्ष्या रखने वाले होंगे।

आप अपनी आयु के 30 से 35 वें वर्ष के अंतराल में काफी धन संपत्ति का अर्जन करेंगे तथा आपका जीवन आनंदपूर्वक व्यतीत होगा। आपका रूप आकर्षित होगा आप अपने प्रताप से बहुत धन का व्यय करेंगे तथा अपना सांसारिक जीवन किस प्रकार बिताया जाए। इस बात का अन्वेषण करेंगे। आप अपने फिजूल खर्ची पर नियंत्रण करेंगे तो अनुकूल रहेंगे। अन्यथा आपकी वृद्धावस्था अति सुखद ही नहीं होगी अपितु वह अवस्था निरस भी हो जाएगी।

आप धार्मिक भावना के प्राणी होंगे। आप अनेक तीर्थ स्थलों का भ्रमण कर सत्यकार्यों में दान प्रदान करेंगे। यह संभाव्य है कि आपमें अनेक गुण विद्यमान होंगे तथा आप विश्वसनीयता पूर्वक व्यवहार करेंगे। आप भगवान की कृपा से उत्तम संतान के पिता होंगे। वे अपना नाम एवं अपनी प्रसिद्धि प्राप्त करेंगे।

आपकी अपनी जीवन संगिनी के रूप में उपयुक्त एवं आदर्श पत्नी प्राप्ति हेतु मिथुन अथवा कुंभ राशि की जातक का चयन करना उत्तम होगा। परंतु यदि आपकी पत्नी कर्क, मकर अथवा मीन राशीय समुदाय की हुई तो वह आपकी आवश्यकता अथवा अनुरूपता के योग्य नहीं होंगी।

परंतु यदि आपकी संगिनी आपको श्रेय नहीं प्रदान करे तो आपको हतोत्साह होने की आवश्यकता नहीं है। आप किसी भी तरह से अपनी पत्नी से विद्वेष नहीं करेंगे।

वास्तव में आप बहुतायत में अपने घरेलू वातावरण को अनुकूल करने के लिए तथा सुव्यवस्थित करने के लिए आपकी पत्नी बेशकीमती आभूषण एवं बहुमूल्य वस्त्रादि से युक्त अपने परिवार के जीवन यापन को प्रमुखता देगी। आप अपने भवन को अपने मित्र एवं सगे संबंधियों की दृष्टि में आकर्षक बनाएं। इसके बिना आप अपने रहन सहन को दुष्कर अनुभव करेंगे।

तुला प्रभावित जातक सामान्यतः स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से उत्तम एवं उच्च स्तरीय आनंद से युक्त होता है। परंतु वह छुआछूत की बिमारी से वह अद्योगामी भी हो सकता है एवं आयुवृद्धि के कारण मूत्र संबंधी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। अस्तु आपको इसके विरुद्ध सुरक्षात्मक कदम उठाने चाहिए।

आप हर दशा में धन एवं सुंदर सुखद भवन से युक्त होंगे। आप समयानुकूल अपने कार्य कलाप का संपादन करे निश्चित समय पर भोजनादि कर सकते हैं बशर्ते कि आप निम्नांकित निर्देशन का अनुपालन कर सकें।

आपके लिए अनुकूल एवं उत्तम रंग लाल, नारंगी एवं सफेद रंग है। इसके अतिरिक्त आपको पीला एवं हरा रंगों का त्याग करना चाहिए।

आपके लिए अंको में 1, 2, 4 एवं 7 अंक अनुकूल है। इसके अतिरिक्त 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए हानिकारक है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

